Extension Education Institute, AAU, Anand in NEWS

Successfully conducted a training programme on **"Presentation Skills for Professional Excellence"** jointly organized by Krishi Vigyan Kendra, SKNAU, Ajmer and EEI, AAU Anand, from 05-01-2022 to 10-01.2022 at KVK, Ajmer (Rajasthan).

प्रस्तुति कौशल क्षमता विकास विषय पर कार्यशाला आयोजित

-दैनिक मरुप्रहार

संवाददाता/मदनगंज-किशनगढ़। कृषि विज्ञान केंद्र तबीजी फार्म अजमेर पर कृषि वैज्ञानिकों, कृषि प्राध्यापकों एवं कृषि अधिकारियों के लिये प्रसार शिक्षा संस्थान आनंद,गुजरात द्वारा पेशेवर विशेषज्ञता के लिए प्रस्तुति कौशल विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रसार वैज्ञानिक डॉ रमाकान्त शर्मा ने बताया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों के बेहतर प्रस्तुतिकरण हेतु दक्षता का विकास कर संस्थान के हितार्थ कार्य करने की गतिशीलता बढ़ाना है। आयोजक प्रसार शिक्षा संस्थान आनंद गुजरात अपने कार्य क्षेत्र महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं गोवा के अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों हेतु समय समय पर विभिन्न विषयों पर प्रभावी प्रशिक्षण कम कार्यशाला आयोजित कर अपनी पहचान बनाये हुये हैं। आज समापन कार्यक्रम पर निदेशक राष्ट्रीय

बीजोय मसाला अनुसन्धान केंद्र के निदेशक डॉ एस एन सक्सेना ने इस तीन दिवसीय कार्यशाला में अर्जित कौशल को अधिक से अधिक जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता बतायी। डॉ. सक्सेना ने बेस्ट तरीके से कार्य करने हेतु समय एवं संचार की महत्ता बताते हुए बेहतर समय प्रबन्धन पर जोर दिया। प्रथम दिवस पर कृषि अनुसंधान उप केंद्र के विभागाध्यक्ष डॉ दिनेश अरोड़ा ने कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए सभी अधिकारियों को इस कार्यशाला की महत्ता बताते हुये तीन दिन सभी को तनाव एवं कार्यों को दूर रखते हुये प्रभावी तरीके से प्रस्तुतिकरण कौशल सीखने का आह्वान किया।

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं हेड डॉ डी एस भाटी ने सकारात्मकता के साथ कार्य करने पर जोर दिया।कार्यशाला में आनंद से पधारे मास्टर ट्रेनर वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ निताश एवं डॉ योगेश,डॉ निकिता एवम डॉ पायल ने बड़े ही ज्ञानोपार्जक पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन एवम उदाहरणो सहित इस कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों को प्रेरित किया। वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ एस के शर्मा ने सभी अधिकारियों को आत्मविश्वास एवम अर्जित ज्ञान से अपने अपने कार्य क्षेत्र में प्रभावी कार्य करने का आह्वान किया। इस तीन दिवसीय कार्यशाला कम प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों, कृषि विभाग के अधिकारियों, अनुसंधान अधिकारियों, दयानद, सोफिया एवं भगवंत महाविद्यालय के व्याख्याताओ सहित 35 प्रतिभागियों ने अपनी भागीदारी निभायी। प्रतिभागियों में से कृषि अधिकारी कन्हैयालाल सुतारीवाल एवम मुजिबर रहमान ने इस कार्यशाला के अनुभवों को साझा करते हुए

इस कार्यशाला कम प्रशिक्षण को आम जीवन में आत्मविश्वास एवम बेहतर ढंग से संवाद में सक्षम बताया। कार्यशाला में आनंद से पधारे डॉ निताश एवं उनकी टीम, प्रशिक्षणार्थियों एवं अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन प्रसार वैज्ञानिका डॉ रमाकान्त शर्मा ने प्रदान किया।

स्नातक द्वितीय तथा तृतीय वर्ष प्रवेश हेतु ऑफलाईन आवेदन पत्र 15 जनवरी तक

- दैनिक मरुप्रहार

राजेन्द्र हाड़ा/भीलवाड़ा। सेठ मुरलीधर राजकीय कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य ने जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक द्वितीय तथा तृतीय वर्ष (कला तथा वाणिज्य संकाय) में रिक्त स्थानों को भरने हेतु स्ववित्तपोषी छात्राओं से प्रवेश हेतु ऑफलाईन आवेदन पत्र भरवाये जा रहे है। इसकी अंतिम तिथि 15.01.2022 है। इच्छुक छात्राएं इस अवसर का लाभ उठायें।

दैनिक नवज्योति Anchal - 08 Jan 2022 - Pa

कौशल क्षमता विकास कार्यशाला

न्यूज सर्विस/नवज्योति, जेठाना-राजौरी

कृषि विज्ञान केंद्र तबीजी फार्म पर प्रसार शिक्षा संस्थान आनंद (गुजरात) द्वारा पेशेवर विशेषज्ञता के लिए प्रस्तुति कौशल विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रसार वैज्ञानिक डॉ रमाकान्त शर्मा ने बताया कि कृषि वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों एवं कृषि अधिकारियों के लिए आयोजित कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों के बेहतर प्रस्तुतिकरण हेतु दक्षता का विकास कर संस्थान के हितार्थ कार्य करने की गतिशीलता बढ़ाना है। राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसन्धान केंद्र के निदेशक डॉ एसएन सक्सेना ने कार्यशाला में अर्जित कौशल को अधिक से अधिक जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता जताई। प्रथम दिवस पर कृषि अनुसंधान उप केंद्र के विभागाध्यक्ष डॉ दिनेश अरोड़ा ने तीन दिन सभी को तनाव एवं कार्यों को दूर रखते हुए प्रभावी तरीके से प्रस्तुतिकरण कौशल सीखने का आह्वान किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं हेड डॉ. डीएस भाटी ने सकारात्मकता के साथ कार्य करने पर जोर दिया। कार्यशाला में आंनद से पधारे मास्टर ट्रेनर वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ निनामा एवं डॉ योगेश, डॉ निकिता एवं डॉ पायल ने ज्ञानोपार्जक पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन एवं उदाहरणों के जरिए अधिकारियों को प्रेरित किया। वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ एसके शर्मा ने अधिकारियों को आत्मविश्वास एवं अर्जित ज्ञान से अपने-अपने कार्य क्षेत्र में प्रभावी कार्य करने का आह्वान किया। कृषि अधिकारी कन्हैयालाल सुनारीवाल एवं मुजिबर रहमान ने कार्यशाला के अनुभवों को साझा किया।

दैनिक भास्कर किशनगढ़ 08-01-2022

तनाव को दूर कर कौशल के साथ कार्यों को बेहतर तरीके से निपटाएं

प्रस्तुति कौशल क्षमता विकास विषय पर कार्यशाला आयोजित

भास्कर न्यूज | मांगलियावास

कृषि विज्ञान केंद्र तबीजी फार्म पर कृषि वैज्ञानिकों, कृषि प्राध्यापकों एवं कृषि अधिकारियों के लिए प्रसार शिक्षा संस्थान आनंद, गुजरात द्वारा पेशेवर विशेषज्ञता के लिए प्रस्तुति कौशल विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रसार वैज्ञानिक डॉ. रमाकान्त शर्मा ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों के बेहतर प्रस्तुतिकरण हेतु दक्षता का विकास कर संस्थान के हितार्थ कार्य करने की गतिशीलता बढ़ाना है। आयोजक प्रसार शिक्षा संस्थान आनंद गुजरात अपने कार्य क्षेत्र महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं गोवा के अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों हेतु समय समय पर विभिन्न विषयों पर प्रभावी प्रशिक्षण कम कार्यशाला आयोजित कर अपनी पहचान बनाए हुए हैं। शुक्रवार को समापन कार्यक्रम पर निदेशक राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसन्धान केंद्र के निदेशक डॉ. एसएन सक्सेना ने तीन दिवसीय कार्यशाला में अर्जित कौशल को अधिक से अधिक जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता जताई।

डॉ. सक्सेना ने बेस्ट तरीके से कार्य करने हेतु समय एवं संचार की महत्ता बताते हुए बेहतर समय प्रबन्धन पर जोर दिया। प्रथम दिवस पर कृषि अनुसंधान उप केंद्र के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश अरोड़ा ने कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए सभी अधिकारियों को इस कार्यशाला की महत्ता बताते हुये तीन दिन सभी को तनाव एवं कार्यों को दूर रखते हुये प्रभावी तरीके से प्रस्तुतिकरण कौशल सीखने का आह्वान किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं हेड डॉ. डीएस भाटी ने सकारात्मकता के साथ कार्य करने पर जोर दिया। कार्यशाला में आंनद से आये मास्टर ट्रेनर वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ निनामा एवं डॉ. योगेश, डॉ. निकिता व डॉ. पायल ने बड़े ही ज्ञानोपार्जक पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन एवम उदाहरणो सहित इस कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों को प्रेरित किया। वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ एसके शर्मा ने सभी अधिकारियों को आत्मविश्वास एवम अर्जित ज्ञान से अपने अपने कार्य क्षेत्र में प्रभावी कार्य करने का आह्वान किया।

इस तीन दिवसीय कार्यशाला कम प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों, कृषि विभाग के अधिकारियों, अनुसंधान अधिकारियों, दयानद, सोफिया एवं भगवंत महाविद्यालय के व्याख्याताओ सहित 35 प्रतिभागियों ने अपनी भागीदारी निभायी। कृषि अधिकारी कन्हैयालाल सुनारीवाल व मुजिबर रहमान ने कार्यशाला के अनुभवों को साझा करते हुए इस कार्यशाला कम प्रशिक्षण को आम जीवन में आत्मविश्वास एवम बेहतर ढंग से संवाद में सक्षम बताया।

प्रस्तुति कौशल क्षमता विकास कार्यशाला में सम्मानित करते अतिथि।